RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 32 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 13 जनवरी 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

ये उत्तरायण निकाय चुनाव घमासान के साथ 2027 विस की तैयारी भी

बगावत बिगाड़ देगी खेल

फिलहाल सबके अपने दावे

-हल्द्वानी कांटे की टक्कर होनी है
-खटीमा की घमासान में शहर फूला
-पिथौरागढ़ में विधायक तक नाराज
-अल्मोड़ा में इस्तीफे देकर गुस्सा बाहर
-रुद्रपुर में पार्टियों का आन्तरिक कलह खुलकर
-चम्पावत-लोहाघाट में जीत की रणनीति रच रहे
-अल्मोड़ा नेताओं का झमेला, बिट्टू का इस्तीफा
-मुनस्यारी में बगावत के साथ नेताओं का जोर
-धारचूला में भाजपा-कांग्रेस की डोर सहारे से
-डीडीहाट में होने जा रहा है रोचक मुकाबला
-काशीपुर में सभी दलों के नेताओं का दलदल
-नानकमत्ता में भाजपा-निर्दलीय बीच मुकाबला

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तरायण का यह समम उत्तराखण्ड की राजनीति में उथल-पुथल वाला है। निकाय चुनाव की घमासान के साथ ही 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के रूप में नेतागण इसे बुन रहे हैं जबकि टिकट न मिलने से नाराज नेताओं की बगावत पार्टी को उधेड़ने पर तुली है। फिलहाल सबके अपने दावे हैं। नाराज नेताओं को मनाने की बैठकों के साथ ही भविष्य के सपने दिखाए जा रहे हैं।

प्रदेश में सबसे ज्यादा चर्चा में शुमार हल्द्वानी नगर निगम का मुकाबला त्रिलोणीय हो चुका है। टिकट दावेदारी की घमासान के बाद भाजपा के गजराज बिष्ट, कांग्रेस के ललित जोशी छात्र संघ स्टाइल पर चुनाव लड़ रहे हैं। इनके बीच कांटे की टक्कर होनी है। नाम वापसी से पहले अनुभवी सपा नेता शोएब और अब्दुल मतीन ने हाथ मिलाते हुए इस मुकाबले को रोचक बना दिया था लेकिन शोएब ने नाम वापस लेते हुए कांग्रेस को फायदा दिया है।

नगर पालिका खटीमा में चैयरमैन के लिये हो रही घमसान से शहर फूला हुआ है। यहाँ सीधे-सीधे सीएम पुष्कर सिंह धामी और उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी की ओर सबका ध्यान चला जाता है। खटीमा में सात बार कांग्रेस और एक बार भाजपा जीती है। इस बार भाजपा के रमेश जोशी रामू और कांग्रेस के उमेश सिंह राठौर बॉबी के बीच टक्कर है लेकिन बागी समीकरण गड़बड़ाने के लिये तरोताजा बने हुए हैं।

पालिका से नगर निगम हुए पिथौरागढ़ में मेयर पद के टिकट बंटवारे को लेकर जबर्दस्त जंग जारी है। कांग्रेस की अंजु लुण्ठी को टिकट के बाद से विधायक मयूख महर ने विरोध जताया और कहा- प्रचार सामग्री में कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी उनकी फोटो का इस्तेमाल न करें। भाजपा में भी टिकट को लेकर रार मची है। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रमिला बोहरा ने अपना त्यागपत्र दिया। टिकट को लेकर तेवर दिखा रहे पार्टी के संगठन मंत्री मथुरादत्त जोशी देहरादून कांग्रेस भवन पहुँचकर शान्त हो गये। उन्होंने विधायक पर कार्रवाई करने की बात कही।

अल्मोड़ा नगर निगम के लिये पार्टी टिकट बंटवारा होते ही बगावत खुलकर सामने है। पार्टी से इस्तीफा देकर गुस्सा बाहर निकाल रहे नेताओं की चर्चा हो रही है। कांग्रेस जिला महामंत्री त्रिलोचन जोशी ने टिकट वितरण पर सवाल उठाते हुए इस्तीफा सौंप दिया। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष बिट्टू कर्नाटक ने अपनी पार्टी पर आरोप लगाया कि कांग्रेस में अब नैतिक मूल्यों का कोई स्थान नहीं है और इस्तीफा दे दिया। जबकि आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष आनन्द बिष्ट समेह कई ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। फिलहाल मेयर पद के लिये भैरव नाथ गोस्वामी कांग्रेस, अजय वर्मा भाजपा, अमन अंसारी निर्दलीय के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है।

रुद्रपुर नगर निगम के चुनाव में पार्टियों का अर्न्तकलह खुलकर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस नेता मनीष गोस्वामी ने विधायक शिव अरोरा व भाजपा में आस्था व्यक्त करते हुए शरण ली। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव में सत्ता की धमक-चकम प हनक है। निर्दलीय ताल ठोक रहे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने देहरादून में सीएम से मिलने के बाद भाई संजय ठुकराल के साथ नाम वापस ले लिया। अब मेयर

शेष पृष्ठ 5 पर

निर्विरोध

डीडीहाट से दीपेश और समरन

डीडीहाट। नगर पालिका अम्बेडकर वार्ड से एकमात्र दीपेश जंगपांगी और पोस्टआफिस वार्ड से भी एकमात्र सिमरन ध पवाल ने नामांकन करवाया था, जिससे इनका निर्विरोध चुना जाना तय है।

रामनगर से खष्टी जोशी सभासद

रामनगर। वार्ड संख्या 4 कम्पाउण्ड पैठपड़ाव से खष्टी नन्दन जोशी निर्विरोध सभासद हैं। उनके वार्ड से किसी अन्य ने दावेदारी नहीं की। श्री जोशी पांचवी बार अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हल्द्वानी- मुकेश, ललित, धीरज

हल्द्वानी। नगर निगम के पीलीकोठी वार्ड संख्या 51 से निर्दलीय पार्षद मुकेश बिष्ट निर्विरोध तय हैं। भाजपा के कमल पन्त ने तैयारी की थी लेकिन उन्हें कार्यकर्ताओं का समर्थन नहीं मिला। वार्ड नम्बर 37 से ललित मोहन नेगी और वार्ड नम्बर 42 हरिनगर से धीरज पाण्डे के खिलाफ अन्य दावेदारी या नामांकन नहीं किया गया है जिससे इनका पार्षद बनना तय है।

दिनेशपुर में मनजीत कौर अध्यक्ष

रुद्रपुर। दिनेशपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशी मनजीत कौर के निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। निर्दलीय के रूप में पर्चा भर रही बबली गोस्वामी का ओबीसी प्रमाण पत्र पूर्ण न होने पर निर्वाचन अधिकारी ने खारिज कर दिया।

पिथैरागढ़ में ममता पाण्डे पार्षद

पिथौरागढ़। नगर निगम की वार्ड संख्या 13 पाण्डेय गांव में इस बार पार्षद सीट महिला के लिये आरक्षित है, जिसमें एकमात्र ममता पाण्डे ने ही नामांकन किया, जिससे निर्विरोध तय हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

निकाय चुनाव : टिकट की तिकड़म और मतदाता की सूझ

उत्तराखण्ड इन दिनों नागर निकाय चुनाव में नहा रहा है। निकाय के मुखिया बनने के लिये पार्टियों के झाग में लिपटते नेताओं को खूब देखा है। टिकट मिलने से काफी पहले इसकी शुरुआत हो चुकी थी और अपनी पार्टी से टिकट के लिये जोर लगाया गया, टिकट न मिलने पर नाराजी दिखाई जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि टिकट की तिकड़म क्या इतनी जरूरी हो चुकी है कि इसके बिना कोई जनप्रतिनिधि बनेगा ही नहीं? और मतदाता की सूझ कैसी है कि वह निकाय के चुनाव में भी तिकड़मों को नहीं परख पा रहा है।

कुर्सी पर आने के लिये राजनीति में क्या नहीं होता है? सब जानते हैं कि झूठ बोलने से लेकर वह सारे कार्य चुनाव में होते रहे हैं जिन्हें कागजों में नहीं लिखा जाता है। प्रत्याशी कितना दिखाते और कितना छुपाते हैं, इसकी भी चर्चा प्रायः होती है। कुर्सी पाकर समाजसेवा करने का सपना दिखाया जाता है लेकिन कितनी समाजसेवा होती है इसको मतदाता ने परखना चाहिये।

चुनाव की इस बरसात में केवल भीगने से कुछ नहीं होने वाला है। बिना किसी लोभ-लालच के ऐसे लोगों को कुर्सी सौंपनी चाहिये जो समाज को बनाने में ध्यान लगाने वाले हों। चुनाव में खड़े उन प्रत्याशियों को भी जनता जानती है जो सिर्फ अपने ठेके, अपने कारोबार को बढ़ाने के साथ अपने गिरोह को पालते हैं। चुनाव ऐसा अवसर है जब जनता को तोल-तोल कर हिसाब लगाना चाहिये। मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये जो तिकड़में भिड़ा रहे हैं उससे समझा जा सकता है कि वह कितनी समाजसेवा करेंगे? इसलिये इन चालाकियों को समझना जरूरी है।

चुनाव के गुणा-भाग में कई बार ऐसा भी होता है कि खड़े प्रत्याशियों में से यह तय करना कठिन हो जाता है कि किसको ईमानदार मानें, इस स्थिति में एकदम एकान्त में अपने आप से सवाल करें और बिना किसी के बहकावे में आए मतदान का मन बना लें। मतदान अवश्य करें लेकिन कुर्सी पाने वाले की नीयत को पहचाना जरूरी है कि आखिर वह क्या करेगा।

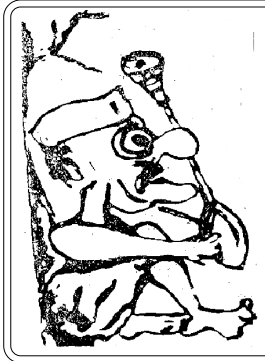

फसक

दाज्यू, चुनाव में नाराजी लगी रहने वाली ठैरी

समाजसेवा के लिये भी पार्टी टिकट जरूरी हो गया है बल

दाज्यू, आजकल निकाय चुनाव से पूरा मोहल्ला गरम हो चुका है। भुप्पन वार्ड मेम्बर बनने के लिये रेबड़ी बांट रहा है। गपलू टिकट न मिलने से नाराज होकर कुम्भ मेला घूमने चला गया। दाज्यू, चिन्त मत करो। चुनाव में नाराजी लगी रहने वाली ठैरी। क्या कहें जमाना चकबकान हो गया है। समाजसेवा के लिये भी पार्टी टिकट जरूरी हो गया है बल।

कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी पत्नी को टिकट न मिलने से बहुत नाराज हैं बल। वह कह रहे हैं- 'कांग्रेस में ईमानदारी से काम करने वाले कार्यकर्ताओं की अब जरूरत नहीं रह गई है।' दाज्यू, पार्टी ने डेमेज कन्ट्रोल का डमरू बचाया तो वह मान गये। पिथौरागढ़ के विधायक मयूख महर मेयर प्रत्याशी के लिये अंजू लुण्ठी को टिकट दिये जाने से नाराज ही हैं। वह मोनिका महर को पार्टी टिकट चाह रहे थे।

दाज्यू, समझ नहीं आ रहा है ये कैसी समाजसेवा है कि पार्टी का टिकट जरूरी हो गया है। देहरादून की चमचम ज्यादा है तो वहाँ भी घमाघम हुई। कांग्रेस आफिस में जोर-जोर से आवाजें आ रही थीं फिर कुछ पार्टी से निकाल दिये गये। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप कह रहे हैं- 'पार्टी में अनुशासनहीनता तो बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होनी चाहिये परन्तु पार्टी से निकाले जाने की पार्टी में एक संवैधानिक प्रक्रिया है। जिसका पालन किया जाना चाहिये।'

दाज्यू, चुनाव टैम ठैरा इसमें पकड़-धकड़ भी होनी ही है। हल्द्वानी पुलिस ने मुखानी में 4 पेटी शराब और स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किये। राजपुरा में भी स्मैक बेचते हुए एक पकड़ा। उधर रामनगर के पीरूमदारा में चरस-गांजा की तस्करी करते दो बालक पकड़े गये। किच्छा में भी करोड़ों की स्मैक के साथ तस्कर पकड़ा गया है बल। गोरखपुर निवासी 25 हजार का इनामी बदमाश पुलभट्टा पर पकड़ा। दाज्यू, इस पकड़-पकड़ाई के बीच कौन जीतेगा? -तुम्हारा भुली झुकरुवा

बगावत की घनघोर मची है, जगत खाती ने पार्टी बदली

नागर निकाय चुनाव में बगावत की घनघोर मची है। पार्टियों से इधर-उधर जाना जारी है। पिथौरागढ़ के पूर्व पालिकाध्यक्ष जगत सिंह खाती और कांग्रेस के संगठन मंत्री मथुरा दत्त जोशी भाजपा में चले गये हैं। इन्हें कांग्रेस ने निष्कासित कर दिया है। बागेश्वर में जिला संगठन मंत्री रहे कवि जोशी और नगर अध्यक्ष सुनील पाण्डे को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। इस प्रकार चारों ओर नाराज नेताओं की बगावत में ज्यादा संख्या भाजपा में शामिल होने वालों की है।

गौमुख ग्लेशियर के निकट देवदार के पेड़ों पर संकट

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

भारत देश में बहुत सारी पवित्र नदियाँ पाई जाती हैं जिनमे से एक गंगा नदी भी है। गंगा नदी पौराणिक काल से ही सबसे पवित्र नदी मानी गयी है, यह नदी त्रेता युग से यानी देवताओं के समय से ही बह रही है। इसे बहुत ही पवित्र और साफ माना जाता है वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा नदी को सर्वोपरि नदी का दर्जा भी दिया गया है। अपनी इसी पवित्रता के कारण गंगा नदी बहुत पूरे भारत देश के लोगों के सामाजिक और धार्मिक जीवन से जुड़ी हुई है।

हिमालय में गंगा के उद्गम गौमुख ग्लेशियर के निकट देवदार वनों के पूरा इलाक़ा एक गम्भीर संकट से जूझ रहा है। हिमालय में हो रही इस तरह की छेड़छाड़ के कारण ही बार बार भारी जल प्रलय देखा जा रहा है। इसका प्रभाव गंगा के मैदान में करोड़ों लोगों की आबादी पर पड़ रहा है। 12 हजार करोड़ रुपये की 889 किमी लम्बी चार धाम सड़क चौड़ीकरण परियोजना के अन्तर्गत 10-24 मीटर तक सड़क चौड़ी करने से अब तक दो लाख से अधिक छोटे-बड़े पेड़- पौधों को काटा जा चुका है। यह केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना है। मध्य हिमालय में स्थित उत्तराखण्ड के गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ और पिथौरागढ़ तक जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के लिये सन् 2016 से काम चल रहा है। सर्वविदित है कि यहाँ के ऊँचे-नीचे पर्वत, नदी -घाटियाँ बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प के लिये अत्यंत संवेदनशील हैं। यहाँ की भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी, यमुना आदि नदियों का जल हिमनदों और इसमें मिलने वाली छोटी नदियों, झरनों पर आधारित है। इन्हह्ल नदियों के किनारों से होकर चार धाम के लिये पहले से ही 4-6 मीटर चौड़ी डामर वाली सड़क मौजूद हैं। अब इसे 10-24 मीटर तक चौड़ा करने से संवेदनशील खड़े पहाड़ों की चटानों को काटकर टनों मिट्टी मलवे के रूप में चौड़ीकरण के दौरान सीधे गंगा और इसकी सहायक नदियों में उड़ेला गया है। इस निर्माण कार्य में भारी विस्फोटों और जेसीबी मशीनों के प्रयोग से पहाड़ अस्थिर और सम्वेदनशील बन गये हैं। चार धाम सड़क मार्ग पर बने दर्जनों डेंजर जोन इसका उदाहरण हैं, जहाँ पर वर्षा के समय आवाजाही संकट में पड़ जाती है। केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग 2013 की आपदा के बाद सुरंग आधारित परियोजनाओं और सड़क चौड़ीकरण में प्रयोग किए गए विस्फोटों और काटे गए लाखों पेड़ों के बाद बहुत नासूर हो गया है। इस भारी निर्माण के कारण पहाड़ों की उपजाऊ मिट्टी बर्बाद हुआ है। अनेक जलस्रोत सूख गये हैं। जहाँ सड़कों के किनारे पर तीर्थयात्रियों को ठण्डा जल मिल जाता था अब वहाँ सीमेंटेड दीवारें खड़ी हो गई हैं। यहाँ की अनेक छोटी-छोटी बस्तियां, ग्रामीण बाजार जहाँ पर लोगों की आजीविका के अनेक साधन जैसे होटल, ढाबे, दुकान आदि प्रभावित हुये हैं। कृषि भूमि और चारागाह समाप्त हुये हैं। इस बर्बादी का कारण है कि यहाँ की सम्वेदनशील हिमालयी भौगोलिक संरचना के अनुसार जहाँ केवल 7-8 मीटर चौड़ी सड़क बन सकती थी, वहाँ 10-24 मीटर तक चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है जिसने पहाड़ की जड़ें हिला कर रख दी हैं।

चार धाम सड़क चौड़ीकरण का विरोध गढ़वाल और कुमांऊ दोनों क्षेत्र में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाई पॉवर कमेटी का गठन भी किया गया था, जिसकी सिफारिशें हाशिये पर चली गई हैं। ऑलवेदर के नाम से विख्यात इस चार धाम सड़क का कार्य अभी उत्तरकाशी से गंगोत्री के बीच लगभग 95 किमी में ही बाकी बचा हुआ है, जिसे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कहते हैं। यहाँ देवदार जैसे दुर्लभ प्रजाति के पेड़ों को काटा जाना है, जिन पर निशान लगे हुये हैं। वन विभाग ने लगभग 6500 बड़े पेड़ों पर निशान लगाये हैं लेकिन इसके बीच में असंख्य छोटे-छोटे पेड़ों व जैव विविधता को गिनती से हटा दिया है, जिसके कारण यहाँ पर 2 लाख से अधिक देवदार और अन्य प्रजातियों के छोटे-बड़े पेड़-पौधों को नुकसान पहुँचाने की तैयारी चल रही है। यहाँ सबसे अधिक देवदार के पेड़ सुक्खी बैंड से सीधे झाला, जांगला, गंगोत्री तक कटेंगे, जिसकी लम्बाई लगभग 20 किमी है। इस जंगल को बचाने का विकल्प भी शासन-प्रशासन को रक्षा सूत्र आन्दोलन की टीम द्वारा दिया गया है। यदि सरकार यहाँ के सामरिक महत्व के साथ सम्वेदनशील पर्यावरण की रक्षा के लिये भी ध्यान दें तो यहाँ पर देवदार के वनों को बचाने के लिये जसपुर से पुराली, हर्षिल, बगोरी, मुखवा (गंगा का गाँव) से जंगला तक नयी सड़क बनायी जा सकती है। यहाँ पर बहुत ही न्यूनतम पेड़ों की क्षति होगी और नये गाँव भी सड़क से जुड़ जायेंगे। संसद में केबिनेट मन्त्री नितिन गडकरी जी ने कहा है कि वे मार्ग निर्माण में आने वाले पौधों को रिप्लाण्ट करेंगे जो देवदार के पेड़ों के लिए संभव नहीं है। यदि गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित झाला से जांगला तक सड़क की चौड़ाई 7 मीटर तक रखी जाए तो गंगोत्री जाने वाली गाड़ी धराली होते हुये जा सकती हैं और वापस आने के लिये जांगला से मुखवा, हर्षिल, बगोरी, जसपुर से सुखी होते हुये उत्तरकाशी पहुँचा जा सकता है। इस तरह गंगोत्री के बचे-खुचे इन हरे देवदार के छोडे-बड़े लाखों पेड़ो को बचाया जा सकता है। क्योंकि घने जंगल के बीच 24-30 मीटर की चौडाई में पेड़ों की अन्धाधुन्ध कटाई करने से भागीरथी सम्वेदनशील जोन को असीमित नुकसान की सम्भावना है। उत्तरकाशी के जिलाधिकारियों ने पिछले 8-9 वर्षों से इस समस्या को भली भाँति देखा है। लेकिन यह केन्द्र व राज्य सरकार की इच्छा पर ही निर्भर करता है। जबकि स्थानीय स्तर पर मुखवा गाँव की ग्राम प्रधान शिवकला देवी के अलावा अन्य लोगों ने भी गंगोत्री के देवदार के हरे पेड़ों को बचाने के लिये नितिन गडकरी जी को पत्र लिखा है। उत्तराखण्ड आन्दोलन की नेता पुष्पा चौहान, नागेन्द्र दत्त जगूड़ी, बसन्ती नेगी आदि लोग भी इसका विरोध करने के लिए सड़कों पर आए हैं। लोगों ने यहाँ पेड़ों को बचाने के लिए रक्षा सूत्र बांधे हैं। उत्तरकाशी में ऑलवेदर चारधाम सड़क संघर्ष समिति द्वारा तेखला बाग्र पास से प्रस्तावित नयी सड़क के निर्माण का विरोध भी किया है। जो इसलिए जायज है कि पहले से ही निर्मित सड़क पर लोगों की अनेकों व्यावसायिक गतिविधियों है, जिन्हें बचाना पड़ रहा है। यह क्षेत्र (भागीरथी जलागम) बहुत ही सम्वेदनशील है। जहाँ बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प से भारी तबाही हो चुकी है। केन्द्र की सरकार ने भी इसे इकोसेंसिटिव जोन के नाम से चिन्हित कर रखा है ।मनेरी भाली जल विद्युत परियोजना (90 मेगा) की टनल भी यहाँ से गुजर रही हैं जिसके ऊपर जामक आदि गाँव में सन् 1991 के भूकम्प से दर्जनों लोग मारे गये थे। इसलिए यहाँ पर बड़े निर्माण कार्य जानलेवा साबित होंगें। इसलिये यह ध्यान रखा जाय कि यहाँ पर चल रहे बड़े निर्माण कार्य सोच-समझकर करने की आवश्यकता है। वनों की अधिकतम क्षति रोकी जाय। लोगों की खेती-बाड़ी और आजीविका की वस्तुयें जैसे होटल, ढाबे, दुकानों से चल रहे रोजगार समाप्त न हो। जिस सुखी गाँव ने 1962 के युद्ध के समय गंगोत्री तक सड़क मार्ग के लिए अपनी कृषि योग्य जमीन सरकार को निःशुल्क दान दी, इस मौजूदा मार्ग से ऑलवेदर सड़क यथावत रखते हुए गाँव के नीचे टनल का निर्माण न हो।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पौराणिक-इतिहास

पुराणों में उल्लेखित गोरी-गंगा के किनारे का लखनपुर

जगदीश सिंह बृजवाल

पुराणों में केदारखण्ड, मानसखण्ड, ब्रह्मपुर, लखनपुर, विराटपत्तन का उल्लेख मिलता है। ब्रह्मपुर कुमाऊँ के शिवालिक पहाड़ियों के बीच तो लखनपुर कुमाऊँ हिमालय के आस-पास होने की बात कही गई हैं जिसमें गोरी नदी के किनारे भी लखनपुर का जिक्र पुराणों में किया गया है। इतिहासकार लखनपुर के विषय अपने मत-मतान्तर देते हैं किन्तु गोरी नदी के लखनपुर की ओर ध्यानाकृष्ट क्यों नहीं हुआ? जिसका कारण इतिहासकारों का कत्यूरी बंश के कालान्तर राजधानी लखनपुर के इर्द-गिर्द ही घूमते रहना है।

क्या गोरी नदी का उल्लेख पुराणों में शब्द चयन गलत तो नहीं हो गया था? या कुमाऊँ के अन्य नदी का नाम गोरी नदी हो। पर ऐसा कुछ लगता नहीं, जोहार घाटी से निकलने वाली गोरी नदी के किनारे लखनपुर का असतित्व अवश्य रहा है। लेखक का दिल का मचलन, जानने की जिज्ञासा सोचने-विचारने को मजबूर कर देती है।

पुराणों में जीवर पर्वत का भी उल्लेख है जिससे जोहार नाम पड़ा है। जीवर पर्वत(हरदेवल, त्रिशुली) को चीरते गोरी गंगा अपनी छोटी सहायक नदियाँ- गुंखा गंगा, पाछू गंगा, मर्तोली गंगा, बिल्जू गंगा, बूर्फू गंगा, लास्पा गंगा ररगाड़ीगाड़, रालमगंगा, जीमीगाड़, सुरिनगाड़ आदि को सम्मिलित करते अपना सफर काली-गोरी के जौलजीबी तक करती है। जिसकी लम्बाई लगभग 100 किमी तक है।

महान हिमालय की तलहटी जोहार घाटी से दक्षिण की ओर शिवालिक श्रेणियों में- मुनस्यारी (दुम्मर, घपुवा, भदेली) मदकोट, छोड़िबर, घट्टाबगर, जौलजीबी समतल या ढलान में अवस्थित हैं जो गोरी नदी को छूती है। मदकोट से आगे गोरी-काली नदी के संगम तक गरम घाटी है इसी बीच मुनस्यारी क्षेत्र के गोरी नदी किनारे से संगम तक कार्तिकेयपुर जलवायु के अनुरूप लखनपुर की खोज-बीन की जाती है।

हेल्मटन अंग्रेज द्वारा सांगरी-ला की खोज असफलता ही हाथ आया किन्तु जोहार के इतिहासकार द्वारा सागरी-ला की कल्पना, परिकल्पना, सौन्दर्यता, समानता को देखते तथ्यात्मक आधार को परिदृश्य में रखकर सांगरी-ला का सुन्दर, परिपूर्ण वर्णन किया गया है।

कत्यूरी बंश का इतिहास ई.पूर्व से होने की बात कही जाती है। ताम्रपत्र के अनुसार कत्यूरी सूर्यबंशी अयोध्या से सम्बन्ध रखते थे। कालान्तर में साम्राज्य ने माण्डलिक रूप ले लिया था तथा किसी के बड़े राज्य अधिपत्य में राज्य करते थे। कत्यूरी शासकों की राजधानी इस बात का प्रमाण देता है। इतिहासकारो ने अपने-अपने मत दिये हैं।

कनिघम, पाली पछांऊ में रामगंगा के किनारे लखनपुर को सिद्ध करते हैं तो अठकिंसन ढिकुली रामनगर से सहमत हैं, कुछ अल्मोड़ा के आस-पास भी लखनपुर की बात करते हैं।

कत्यूरी शासकों की प्रथम राजधानी कार्तिकेयपुर (जोशीमठ) में स्थित थी। जिसकी भौगोलिक बनावट, जलवायु स्वाथ्यवर्धक, जहाँ ऋषि मुनियों ने तप, साधना, ध्यान से आत्मबल, आत्मज्ञान, प्राप्त किया था। उपयुक्त स्थान चयन को ध्यान में अवश्य रक्खा होगा। बाद में कत्यूरी राजाओं की राजधानी अलग-अलग स्थानों में भी बनती गयी।

गोरी नदी के किनारे जिन-जिन स्थानों से होकर गोरी नदी अपना सफर तय करती हैं (लखनपुर की भूमि भी कार्तिकेपुर) जोशीमठ, ज्योतिर्मठ के समानान्तर भौगोलिक बनावट, जलवायु भी रखता होगा। उस जलवायु स्थित भूमि अवश्य मुनस्यारी तथा उसकी तलहटी दुम्मर, धपुवा, भदेली में ही देखा जा सकती है।

मुनस्यारी क्षेत्र के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विचार करते हैं तो हमें प्रथम दृष्टया बुरगेर, पीलोखान धार(चोटी), सुरिंग, जलथ, दरकोट, दुम्मर जिस पर कल्पना, परिकल्पना किया जाना स्वाभाविक है।

जोहार के मध्यकाल के पंज्वारी जिनके इतिहास की स्वर्णिम गाथा लिखने वाले तेजस्वी व्यक्ति सुनपति शौका इसी समतल ढलान में निवास करता था, पत्नी गांगुली की रूपवती पुत्री तथा बैराठ के कत्यूरी राजकुमार की प्रेम-प्रसंग की कहानी इतिहास के पन्नों में सुशोभित है जो ल्वांल जाति के थे, उनके पूर्व के बंशज कत्यूरी राजाओं के करद थे।

कत्यूरी राजा किर्तिवर्मन त्रामपत्र के अनुसार विक्रमी संवत् 295 से 360 तक शासन करता था। 65 वर्ष राज्य किया था। उसके पत्नी का नाम नन्दा देवी, जो नन्दकोट की ओर विहार पर जाती थी। तब माण्डलिक राजा- सोर के बम, डोटी राजा, रैंका राजा, अस्कोट के पाल, पाली पछांऊ के राजा, जोहार के ल्वांल ठाकुर उसके करद थे।

पुराणों में गोरी गंगा के किनारे लखनपुर के विषय में जब लेखक के मन बिचार आते है तो ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर नजर टिक जाती है। जिस धरातल का अब अवशेष अश भर ही बचा दिखता है सुरंग, जलथ, दरकोट, जिसमे कोशालीबाड़ा (दुम्मर) की प्राकृतिक सौन्दर्यता का धरातल गोरी नदी के पश्चिमी ढलान पर तथा दुम्मर गाँव से गोरी नदी तक अवशय बनती होगी। उत्तर की ओर पीलोखान धार,जलथ गाँव से उत्तर की ओर से अतीत में बहुत बड़ा पहाड़, चट्टान भू-स्खलन या भूकम्प से टूटकर पाषाण खण्डों के रूप में विखराव आज भी गोरी नदी किनारे तक छोटे-बड़े शीलाखण्ड के रूप यत्र-तत्र पड़े दृष्टिगत है, जिसके बीच भीमशीलाखण्ड ल्वांल पत्थर (ल्वांल ढुड.) भी अवस्थित है, जिसका कई प्रकार के इतिहास आज भी लोगों की मुंहजुबानी में है। गोरी नदी के लखनपुर का इतिहास तथात्मक आधार की सम्भावना है जो भविष्य में शोध व खोज का विषय बनता है।

लेखक केवल पुराणों में उल्लखित लखनपुर को जानने के लिए उद्वेलित है, जिनका इतिहासकारों ने कुछ शब्दों में ही व्याख्या की है। सूर्यवंशी शासक शासन सत्ता हिमालय पार जाकर स्थापित करते हैं तो जोहार घाटी में भी भले कत्यूरी शासकों का शासक शासन रहा है या नहीं परन्तु जोहार के लखनपुर में भी शासक सत्ता अवश्य रही है आगे का कार्य प्रामाणिकता के साथ सिद्ध करना हम क्षेत्र के वासिन्दों का लक्ष्य व कर्तव्य है।

(परिकल्पना पर टिप्पणी कर सकते हैं)

ज्योतिष की बातें- 212

14 जनवरी 2025 को सूर्य शत्रुराशि मकर में प्रवेश करेगा वहाँ पर मित्रग्रह गुरु की दृष्टि भी पड़ेगी। अत: सूर्य निर्बल रहेगा, साथ ही सूर्य की उग्रता में कमी भी रहेगी। सूर्य के शुभ स्थान केवल 3, 6, 10 व 11 वें हैं अत: अगले एक माह वृश्चिक, सिंह, मेष व मीन राशि वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य, आरोग्य, सफलता, साहस, यश, कीर्ति व नौकरी आदि के रूप में सामान्य शुभफल प्राप्त होंगे। अन्य राशियों के जातक अभी धैर्य रखें।

मकर संक्रान्ति- मंगलवार 14 जनवरी 2025 से खरमास समाप्त होकर सौर माघमास प्रारम्भ हो जाएगा अत: गृहप्रवेश आदि शुभ कार्य पुन: प्रारम्भ हो जाएंगे। इसी दिन से प्रयाग में एक माह तक चलने वाला कुम्भ मेला भी प्रारम्भ हो जाएगा।

यह फलादेश गोचर पर आधारित है। व्यक्तिविशेष के लिये सूक्ष्म व सटीक फलादेश के लिये उसकी शुद्ध जन्मकुण्डली व महादशा आदि की आवश्यकता होती है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 103

बाहरी भगाओ का नारा

देश के बहुत से राज्यों में दूसरे राज्यों के लोग रोजगार के लिए आते रहते हैं लेकिन चार राज्यों में दूसरे राज्य के लोगों को भगाने की बातें यदा-कदा उठती रहती हैं। यह चार राज्य हैं- उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात व असम। दिल्ली और मुम्बई जैसे अन्य स्थानों से भी बाहरी लोगों को प्रतिबन्धित करने की बात उठती रहती है। जो नेता राष्ट्रीय एकता अखण्डता की बात करते हैं, वही नेता चुनाव आने पर बाहरी बाहरी का राग अलापने लगते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाहरी लोगों के आने से राज्य पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, रोजगारों की कमी होती है। लेकिन सच में ऐसा है नहीं। उत्तराखण्ड से यदि सभी बाहरी लोग चले जाएँ तो उत्तराखण्ड में बचेगा ही क्या? ठीक से विचार करें।

उत्तराखण्ड में रहना रहने वाला जब एक बाहरी व्यक्ति अपने घर जाएगा तो उसके साथ उसका परिवार भी जाएगा, चार लोग चले जाएंगे। उसके जाने से वहाँ के नाई का व्यवसाय कम हो जाएगा। वह बाजार से कपड़े खरीदता है, जूते खरीदना है, किराणा खरीदता है, बाजार में चाट भी खाता है, कमरे का किराया भी देता है। इन सभी प्रकार के व्यवसायों पर प्रभाव पड़ेगा। लाखों लोगों के चले जाने पर स्कूलों में बच्चों की संख्या कम हो जाएगी फिर शिक्षकों की भी कम ही आवश्यकता पड़ेगी। इस प्रकार उत्तरोत्तर सभी प्रकार के व्यवसायियों पर प्रभाव पड़ता है । कल्पना कीजिए कि यदि एक करोड़ की उत्तराखण्ड की आबादी में सभी बाहरी लोग चले जाएँ तो सिर्फ 30-40 लाख लोग ही रह जाएंगे। फिर राज्य की आर्थिक स्थिति का क्या होगा? आर्थिक स्थिति चरमराकर धराशाई हो जाएगी। फिर एक समस्या और उत्पन्न होगी कि पहाड़ पर ऊंचाई पर भारी-भारी सामान कौन पहुंचाएगा ? भवन निर्माण में राज मिस्त्री का काम कौन करेगा? यह सारे काम ठप्प हो जाएंगे। एक बात और विचारणीय है कि अन्य राज्यों से जितने लोग उत्तराखण्ड आते हैं लगभग उतने ही उत्तराखण्ड के लोग अन्य राज्यों को जाते भी हैं। दिल्ली, मुम्बई आदि स्थानों के लिए भी इसी प्रकार विचार करना चाहिए। इस प्रकार बाहरी लोगों को भगाने का नारा सिर्फ एक राजनीतिक गुण्डागर्दी है। किसी स्थान पर आबादी बढ़ने से रोजगार कम नहीं होते बल्कि बढ़ते ही हैं ।

-सरल

मकर संक्रान्ति
की हार्दिक शुभकामनाएं
पिघलता हिमालय

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

शिक्षक आलोक पाण्डे की पहल से युवाओं का पुस्तकों के प्रति मोह

बागेश्वर। बीते 2024 में बेहतर करने वाले और अब 2025 में और भी बेहतर कर रहे शिक्षक आलोक पाण्डे से सीमान्त क्षेत्र के विद्यार्थियों में बहुत उम्मीद है। पुस्तकों के प्रति युवाओं में मोह जगाने वाले श्री पाण्डे शुरु से ही सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं।

युवाओं में पुस्तकों के प्रति प्रेम को जागरू करने और दूरस्थ क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के ज्ञान को निखारने के लिये राजकीय इण्टर कालेज वज्यूला के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता आलोक पाण्डे अपने निजी प्रयासों से पुस्तकालय चला रहे हैं। भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में स्थापित इस पुस्तकालय में विद्यालयी शिक्षा से लेकर प्रतियोगी परीक्षा, साहित्य से लेकर पर्यटन इत्यादि की दो हजार से अधिक पुस्तकें हैं।

शिक्षक पाण्डे कहते हैं कि विद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले बच्चों में नया सीखने की काफी उत्सुकता रहती है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की जिज्ञासाओं को शान्त करने और उन्हें पुस्तकों से जोड़ने के लिए अगस्त 2022 में पुस्तकालय की स्थापना की गई थी। सबसे पहले अपने घर में रखी हाईस्कूल, इण्टर की पुस्तकें, सामान्य ज्ञान और साहित्य की पुस्तकों को इसमें रखा था। बाद में सोशल मीडिया के माध्यम से इच्छुक लोगों से पुस्तकालय में पुस्तकों के लिये आह्वान किया गया। यह प्रयास रंग लाया। लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी पुस्तकें दान करते हुए पुस्तकालय का मान बढ़ाया। इस समय 2230 पुस्तकें हैं जिन्हें विद्यार्थी खाली समय में पुस्तकालय में बैठकर या घर ले जाकर निःशुल्क ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। पुस्तकालय में प्रेमचन्द से लेकर आशुतोष राणा तक की पुस्तकें उपलब्ध हैं। शिक्षक पाण्डे के कार्यों की सर्वत्र प्रंशसा हो रही है।

कपकोट में धना और गीता के बीच जोरदार मुकाबला

बागेश्वर। कपकोट नगर पंचायत में इस बार महिलाओं की टोली धुंआधार प्रचार में जुटी है। भाजपा की ओर से गीता ऐठानी और कांग्रेस की धना बिष्ट के बीच जोरदार मुकाबला होने जा रहा है। धना बिष्ट के पति गाविन्द बिष्ट द्वारा किये गये कार्यों का लाभ उन्हें मिलने की बात कही जा रही है। उनके प्रचार के लिये भगत सिंह डसीला, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, राजेन्द्र टंगणिया, हरीश ऐठानी आदि जुटे हुए हैं। दूसरी ओर गीता ऐठाणी के प्रचार में विधायक सुरेश गड़िया, शिवसिंह बिष्ट, सुरेश काण्डपाल, संजय परिहार, गिरीश जोशी, बबलू ऐठाणी जुटे हुए हैं। प्रदेश के बड़े नेताओं का साया इस सीट पर है।

परिक्रमा

बागेश्वर की घमासान में बड़े नेताओं की थाप

बागेश्वर। नगर पालिका चुनाव के लिये बड़े नेताओं की थाप सुनाई दे रही है। अन्त तक टिकट के खेल में सफल हुई पूर्व चेयरमैन गीता रावल कांग्रेस की सशक्त दावेदार हैं। इससे पहले कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी घोषित हुए कवि जोशी ने निर्दलीय के रूप में ताल ठोकी है। भाजपा की ओर से निवर्तमान चेयरमैन सुरेश खेतवाल प्रत्याशी हैं। सामान्य सीट होने के कारण बागेश्वर का पारा पहले से बहुत था लेकिन कांग्रेस में अन्त समय में कवि जोशी का नाम हटाने के बाद घमासान तेज हो गया। मतदाताओं के बंट जाने के बाद किसको विजयश्री मिलेगी यह कहना कठिन है क्योंकि तीनों के पीछे थाप देने वाले हैं।

टनकपुर में विपिन कुमार को टिकट, दिग्गज चित्त

टनकपुर। नगर पालिका चैयरमैन के लिये यहाँ भाजपा के कई दिग्गज तैयारी कर रहे थे लेकिन ओबीसी सीट होने के बाद भाजपा ने निवर्तमान चैयरमैन विपिन कुमार को टिकट दिया। ऐसे में कई सपने देख रहे दिग्गजों चित्त हो गये। विपिन कुमार की व्यवहारिकता को पार्टी के लोग और अन्य सभी मानते हैं। कांग्रेस ने हिमा वर्मा को टिकट दिया है। संगठन व दमखम में भाजपा पहले से मजबूत है, ऐसे में वजनदार विपिन कुमार को मात देना बहुत कठिन है। निर्दलीय भी अपनी ओर से कोशिश कर रहे हैं लेकिन परिणाम गिनती पर मिलेंगे।

कर्णप्रयाग में विधायक पुत्र के कारण भाजपा असहज

कर्णप्रयाग। भाजपा विधायक भूपाल राम टम्टा के पुत्र जयप्रकाश के निर्दलीय तेवर से भाजपा अहसज हो चुकी है। भाजपा ने पूर्व विधायक मुन्नी देवी के पुत्र गणेश शाह को अपना प्रत्याशी बनाया है लेकिन जयप्रकाश की बगावती बिगुल लकीर खींच चुका है। भाजपा ने जयप्रकाश से किनारा करते हुए कहा है कि भूपाल राम विधायक हैं लेकिन जयप्रकाश से पार्टी का वास्ता नहीं है। कांग्रेस टिकट पर रामदयाल सहित निर्दलीय जोर आजमा रहे हैं। हालात यह है कि भाजपा चाहे जयप्रकाश को कितना ही मनाए उनके बगावत का सन्देश पूरा है।

रुद्रप्रयाग और श्रीनगर में त्रिकोणीय

श्रीनगर गढ़वाल नगर निगम के घमासान में त्रिकोणीय मुकाबला बन चुका है। इस महत्वपूर्ण सीट पर भाजपा की आशा उपाध्याय, कांग्रेस की मीना रावत, यूकेडी की सरस्वती देवी चुनाव मैदान में हैं। महिला सीट आरक्षित होने पर चुनावी सपना पाले कई नेताओं को पहले ही धराशायी होना पड़ा लेकिन महिला प्रत्याशी के रूप में उनका समर्थन अपने घेरे में है।

रुद्रप्रयाग नगर पालिका में चैयरमैन के लिये चन्द्रमोहन सेमवाल भाजपा, दीपक भण्डारी कांग्रेस व अशोक चौधरी निर्दलीय के रूप में आमने-सामने हैं। नगर पालिका गौचर में संदीप नेगी कांग्रेस व अनिल नेगी भाजपा की सीधी टक्कर है। नगर पंचायत नन्दनगर में संध्या देवराड़ी भाजपा और बीना रौतेला कांग्रेस का मुकाबला है। नगर पंचायत नौगांव के लिये कांग्रेस के विपिन कुमार, भाजपा के विजय कुमार व जयप्रकाश इंदवाण के बीच मुकाबला हो रहा है। चिलियालीसौड़ नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिये जीत लाल भाजपा के अलावा निर्दलीय मनोज कोहली जोर में हैं।

गंगोलीहाट में रोचक मुकाबला होगा

गंगोलीहाट। नगर पंचायत से नगर पालिका बन चुकी गंगोलीहाट में चैयरमैन के लिये रोचक मुकाबला हो रहा है। अध्यक्ष पद के लिये पिछले दो साल से कई नामों की गूंज हो रही थी लेकिन अब चुनाव के समय नजारा बहुत बदला हुआ है। भाजपा ने पूर्व अध्यक्ष विमल रावल को टिकट दिया है जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व ब्लाक प्रमुख ललित पाठक ने नाराजी जताते हुए निर्दलीय ताल ठोकी है। इनकी बहू जयश्री पाठक निवर्तमान अध्यक्ष रही हैं। कांग्रेस ने तेज-तर्रार युवा नेता नारायण सिंह बोहरा को अपना प्रत्याशी बनाया है। बोहरा काफी समय से अपनी तैयारी में थे। उक्रांद के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह धानिक के चुनाव मैदान में उतरने से सारे समीकरण बदलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा भूपेश पन्त और राजेन्द्र सिंह धानिक भी चुनाव मैदान में हैं। पिछले चुनाव में आठ प्रत्याशियों के बीच औसत मत मिले थे और जयश्री अध्यक्ष बनीं थी। इस बार भी मुकाबला बहुत नजदीक का बनता दिखाई दे रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ये उत्तरायण.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

चुनाव के लिये भाजपा, कांग्रेस, सपा व निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

सीएम का विधानसभा क्षेत्र चम्पावत और लोहाघाट की नगर पालिका में जीत की रणनीति रच रहे हैं। टिकट न मिलने से नाराज नेताओं के कारण कहीं पाला उल्टा न पड़ जाए इस डर से भाजपा चौकस है। चम्पावत में भाजपा की प्रेमा पाण्डे, कांग्रेस की नीमा कठायत, निर्दलीय ममता वर्मा अध्यक्ष पद के लिये जूझ रहे हैं। लोहाघाट में भाजपा प्रत्याशी गोविन्द वर्मा, कांग्रेस प्रत्याशी रंजीत सिंह अधिकारी, निर्दलीय भूपाल सिंह मेहता के बीच मुकाबला है। टनकपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिये विपिन कुमार भाजपा के मजबूत प्रत्याशी हैं। कांग्रेस की हिमा वर्मा, बसपा के मो.उमर सहित आठ दावेदार मैदान में हैं।

मुनस्यारी नगर पंचायत के पहले चुनाव के लिये बगावत के बीच नेताओं का जोर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस के मनोहर टोलिया और भाजपा के वीरेन्द्र निखुर्पा के अलावा निर्दलीय राजेन्द्र पांगती, तारा पांगती, प्रकाश रावत पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में हैं। समाजसेवी श्रीराम सिंह धर्मशक्तू भी चुनाव मैदान में थे लेकिन उन्होंने राजेन्द्र पांगती राजू के समर्थन में नाम वापिस ले लिया। इस प्रकार मुनस्यारी में जबर्दस्त त्रिकोणीय मुकाबला है।

धारचूला नगर पालिका सीट पर प्रत्याशी कांग्रेस-भाजपा की डोर के सहारे मैदान पर हैं। भाजपा की बेला शर्मा, कांग्रेस की शशि थापा और निर्दलीय हेमा देवी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने जा रहा है।

डीडीहाट नगर पालिका अध्यक्ष पद पर रोचक मुकाबला होने जा रहा है। कांग्रेस के गिरीश चुफाल, भाजपा के लोकेश भड़, निर्दलीय ललित मोहन कफलिया के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के लिये समर्थक दिन रात एक जुटे हुए हैं।

काशीपुर नगर निगम के मेयर पद के लिये सभी दलों का दलदल दिखाई दे रहा है। कांग्रेस से संदीप सहगल, भाजपा से दीपक बाली, बसपा से हसीन खान, सपा से नदीम अख्तर के अलावा निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं। बाजपुर में सपा ने कांग्रेस प्रत्याशी गुरजीत सिंह गित्ते को समर्थन दिया है। नानकमत्ता नगर पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी सुखविन्दर सिंह खिण्डा का पर्चा खारिज होने से भाजपा के प्रेम सिंह ठूना और निर्दलीय

-बेरीनाग में धुंआधार मुकाबला हो रहा -नगला सीट पर विधायकों की तूती

मनोज कुमार के बीच मुकाबला हो रहा है। बेरीनाग नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिये धुंआधार मुकाबला हो रहा है। पिछले सालभर से तैयारी कर रहे प्रत्याशी मैदान में डटे हैं। कांग्रेस की हेमवन्ती पन्त, भाजपा की खिला धानिक के अलावा निर्दलीय आशा भैसोड़ा, पुष्पा शाह, मालती देवी, रजनी रावत और रमा के बीच यह मुकाबला हो रहा है।

नव सृजित नगला नगर पालिका परिषद पर विधायकों की तूती बोलती नजर आ रही है। पहले से ही यहाँ विधायक तिलकराज बेहड़ और राजेश शुक्ला के बीच गहमागहमी रही है। अब चुनाव में कांग्रेस समर्थित राकेश यादव ने अपना नामांकन वापस लेते हुए भाजपा प्रत्याशी को समर्थन दिया है। भाजपा के सचिन शुक्ला प्रत्याशी हैं। कांग्रेस के राजेन्द्र चौहान के प्रपत्र पूरे न होने पर राकेश यादव को पार्टी उम्मीदवार बनाया गया था जो भाजपा के पक्ष में हो गये। किच्छा विधायक बेहड़ का कहना है कि नगला सीट परिवारवाद की भेंट चढ़ने जा रही है।

निर्विरोध

मोहन भट्ट बैठे, गौरव कालोनी सभासद

चम्पावत। कनलगांव वार्ड से भाजपा प्रत्याशी मोहन भट्ट ने नामांकन वापस ले लिया जिससे निर्दलीय गौरव कॉलोनी का निर्विरोध सभासद बनना तय है। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के निर्देश पर भट्ट ने नामांकन वापास लिया।

देवप्रयाग में ममता देवी अध्यक्ष

टिहरी। नगर पंचायत देवप्रयाग के अध्यक्ष पद पर ममता देवी निर्विरोध हैं। नाम वापसी के बाद यहाँ तस्वीर साफ हो चुकी थी।

नगला में गोपालदास जोशी सभासद

किच्छा। नगर पालिका नगला के चुनाव में वार्ड 6 से चुनाव मैदान में उतरे चार प्रत्याशियों में से तीन ने अपना नामांकन वापस ले लिया। ऐसे में गोपाल दास जोशी के सभासद बनने का रास्ता साफ हो गया।

गंगोलीहाट से भगवत रावल सभासद

गंगोलीहाट। नगर पालिका परिषद गंगोलीहाट में रावल गाँव वार्ड से भगवत रावल निर्विरोध समभासद के रूप में सफल हुए हैं।

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न. 8958525979, 9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236

MARTOLIA FURNITURE
Modular Kitchen, Sofa Set, Dinning Table, TV Cabinet, Dressing Table, Bed Room Furniture
Drawing Room Furniture & Interior, Restaurant Furniture & Turnkey Project.
Add : Near Devendrapuri, Badi Mukhani, Pilikothi Road, Haldwani Mob. : 8057167777, 7906752084, 8650427229

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मकर संक्रान्ति/उत्तरायणी की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

प्रेम सिंह बरफाल

वृन्दावन विहार, मल्ली बमौरी,
हल्द्वानी

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station
Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of
Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

अनिल कपूर 'डब्बू'

अध्यक्ष
उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड

प्रहलाद सिंह जंगपांगी

उत्तरांचल विहार
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

देव सिंह बोरा

एडवोकेट
पब्लिक नोटरी
बस स्टेशन, मुनस्यारी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)